वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 319 गुरुवार 23 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

ओसियां में मुख्यमंत्री का उद्घोष: अपराधियों के लिए जेल ही एकमात्र ठिकाना

भ्रष्टाचार और पेपरलीक के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस'

विकसित राजस्थान का संकल्प: मुख्यमंत्री ने ओसियां को दी 416 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात, खेल स्टेडियम की घोषणा

ओसियां. शाबाश इंडिया

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जोधपुर जिले के ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदेश के समग्र विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का अपना संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश के विकास का एक ऐसा 'रोडमैप' तैयार किया है, जिसमें पानी, बिजली और युवाओं का भविष्य सबसे ऊपर है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास के लिए 416 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण की नींव रखी।

विकास की नई राह: 416 करोड़ का निवेश और खेल स्टेडियम

मुख्यमंत्री ने ओसियां की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण के हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस मंच से ओसियां उपखण्ड मुख्यालय पर एक आधुनिक 'खेल स्टेडियम' के निर्माण की महत्वपूर्ण घोषणा की, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता निखारने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही, क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नेतरा और पिचकीबेरा में 33 केवी के नए 'जीएसएस' (ग्रिड सब-स्टेशन) स्थापित करने की घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये विकास कार्य ओसियां की तस्वीर बदलने में मील का पत्थर साबित होंगे।

किसानों की आय बढ़ाने का 'मोदी मंत्र'

मुख्यमंत्री ने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि किसानों को समृद्ध बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि किसान सम्मान निधि की राशि को 6,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, गेहूं की खरीद पर सरकार 150 रुपये का अतिरिक्त बोनस प्रदान कर रही है। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के बजाय आधुनिक और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने इसी संदर्भ में जयपुर में 23 से 25 मई तक आयोजित होने वाले 'ग्राम-2026' (ग्लोबल राजस्थान एग्री-टेक मीट) की जानकारी देते हुए किसानों को इस बड़े आयोजन से जुड़ने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक के बिना खेती को लाभ का सौदा बनाना संभव नहीं है।

भ्रष्टाचार पर प्रहार: घोटालेबाज सलाखों के पीछे

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने जल जीवन मिशन (जेजेएम) में हुई अनियमितताओं का जिक्र करते हुए कहा कि जिस मिशन का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचाना था, उसमें घोटाला करना अक्षम्य अपराध है। शर्मा ने चेतावनी दी कि जल जीवन मिशन घोटाले में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और राज्य सरकार इस दिशा में कठोरतम कार्रवाई कर रही है। पेपरलीक के मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में अब तक एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

बिजली और सिंचाई: 24 जिलों में दिन में बिजली

बिजली के संकट पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ बताया कि आज राजस्थान के 24 जिलों में किसानों को सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली मिल रही है। यह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक बहुत बड़ा बदलाव है। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना के तहत 65 हजार सोलर पंप सेट स्थापित करने के लिए सरकार ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया है। सिंचाई परियोजनाओं के संबंध में उन्होंने बताया कि सरकार 'रामजल सेतु लिंक परियोजना', यमुना जल समझौता, और इंदिरा गांधी नहर के सुदृढ़ीकरण पर तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जोधपुर, पाली और सिरोही सहित प्रदेश के हर सूखे क्षेत्र तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। रोजगार के मोर्चे पर मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अब तक 1.25 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं।

पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए

सीकर. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं, जिससे इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों के हाल भी बेहाल हो रहे हैं। ऐसे में जीवों की प्यास बुझाने के लिए समाज के लोग आगे आ रहे हैं और सराहनीय पहल कर रहे हैं। प्रियंक जैन ने बताया कि बजाज रोड के आसपास स्थित पेड़-पौधों पर पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गए हैं, ताकि पक्षी आसानी से पानी पी सकें। गर्मी के इस मौसम में हर जीव को पानी की आवश्यकता होती है, लेकिन पक्षियों के लिए जल की व्यवस्था अक्सर नहीं हो पाती। उन्होंने बताया कि इस तरह के छोटे-छोटे प्रयास भी जीवों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वे अपने घरों, छतों या आसपास के पेड़ों पर पानी से भरे परिंडे लगाएं, जिससे पक्षियों को भीषण गर्मी में राहत मिल सके। समाज के कई लोग इस अभियान से जुड़कर सेवा भाव के साथ कार्य कर रहे हैं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कर रहे हैं। यह पहल न केवल जीव दया का संदेश देती है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाती है।

महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु की मासिक बैठक सम्पन्न, सेवा कार्यों की रूपरेखा तय

अजमेर (रोहित जैन)। महावीर इंटरनेशनल अजयमेरु केंद्र की मासिक साधारण सभा पंचशील, अजमेर में आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत प्रार्थना के साथ हुई। इस दौरान संगठन की वर्तमान गतिविधियों एवं आगामी सेवा कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। केंद्र के चेयरमैन गजेंद्र पंचोली एवं रीजन-3 के उपनिदेशक (प्रचार-प्रसार) कमल गंगवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने हाल ही में नाकोड़ा जी में सम्पन्न प्रशिक्षण शिविर की जानकारी साझा करते हुए बताया कि संस्था की नई वेबसाइट का सदस्य किस प्रकार प्रभावी रूप से उपयोग कर सकते हैं। बैठक में एक जरूरतमंद बालिका की स्कूल फीस, गणवेश एवं पुस्तकों के लिए आर्थिक सहायता का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। गंगवाल एवं पंचोली ने बताया कि बैठक में विभिन्न सेवा कार्यों की रूपरेखा तय की गई। इसके अंतर्गत आगामी रविवार प्रातः सुभाष उद्यान, अजमेर के आसपास पक्षियों के लिए परिंडे (जलपात्र) वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा, आवारा गायों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाने के उद्देश्य से उनके गले में रेडियम बेल्ट लगाने का निर्णय लिया गया। साथ ही, आगामी माह में एक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की योजना भी बनाई गई, जिसकी रूपरेखा केंद्र सचिव लोकेश जैन सोजतिया एवं वाइस चेयरमैन तथा चिकित्सा शिविर प्रभारी विजय जैन पाण्ड्या द्वारा तैयार की जाएगी। बैठक में कमल गंगवाल, गजेंद्र पंचोली, लोकेश जैन सोजतिया, विजय जैन पाण्ड्या, राजकुमार गर्ग, राजेंद्र स्वरूप माथुर एवं देवर्ष गंगवाल ने सक्रिय सहभागिता की। इसके अतिरिक्त, महावीर इंटरनेशनल पद्मावती केंद्र की सचिव निकिता पंचोली एवं पूर्व चेयरपर्सन संतोष पंचोली ने अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। अंत में केंद्र सचिव लोकेश जैन सोजतिया ने सभी का आभार व्यक्त किया और बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा...

अनुशासन और संस्कार से ही जीवन में सुख-शांति

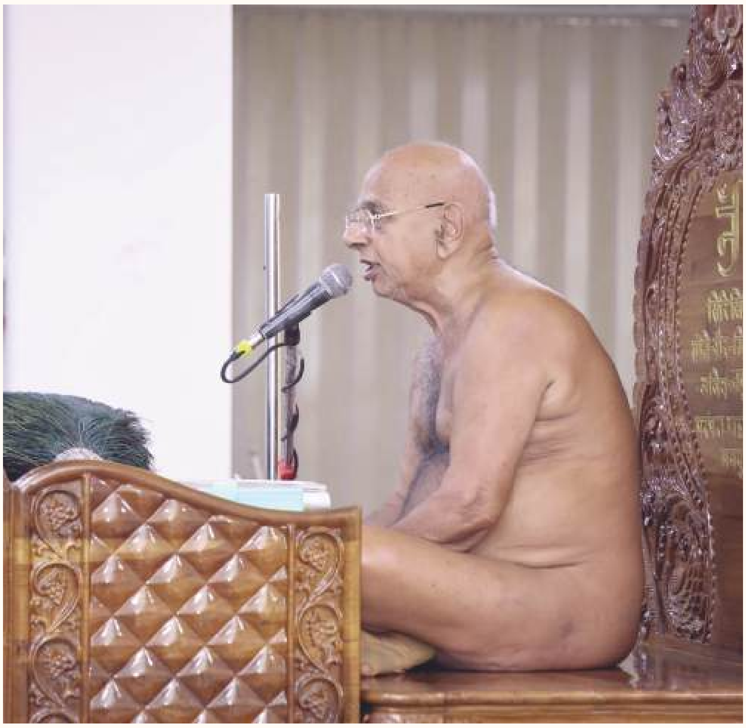

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्याम नगर स्थित आदिनाथ मंदिर में आयोजित प्रवचन में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में अनुशासन और संस्कार अपनाने से ही सच्चे सुख और शांति की प्राप्ति होती है। उन्होंने मैत्री भाव, अनुशासन, संस्कार और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। आचार्य श्री ने कहा कि 'मैत्री' का अर्थ है सभी जीवों के प्रति समान भावना रखना—चाहे वह छोटा हो या बड़ा, मनुष्य हो या तिर्यंच (पशु-पक्षी), देव हो या अन्य कोई जीव। उन्होंने स्पष्ट किया कि मित्रता सीमित हो सकती है और उसमें शत्रुता की संभावना भी रहती है, लेकिन मैत्री सर्वव्यापी होती है, जिसमें किसी के प्रति बैर का स्थान नहीं होता। उन्होंने कहा कि साधना की शुरूआत घर से ही होती है। हम बाहर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन यदि घर में ही कलह और तनाव हो, पति-पत्नी में मतभेद हों, परिवार में टकराव हो, तो बाहरी दिखावा व्यर्थ है। जब घर में शांति होगी, तभी जीवन में वास्तविक संतुलन आएगा। राजेश पंचोलिया एवं सुरेश सबलावत के अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि जीवन को शास्त्रों के अनुसार अनुशासित करना आवश्यक है। अनुशासन के बिना जीवन में अशांति और संघर्ष निश्चित है। उन्होंने कहा कि आज हमारी जीवनशैली में बड़ा परिवर्तन आया है—चूल्हे से गैस और श्रम से आराम की ओर बढ़ते हुए हमने शारीरिक परिश्रम कम कर दिया है, जिसके कारण स्वास्थ्य समस्याएं, जैसे घुटनों का दर्द, बढ़ रही हैं। आचार्य श्री ने प्रश्न उठाया कि ''हमारे घर का वातावरण कैसा है—शांति है या तनाव? संस्कार हैं या केवल सुविधाएं?'' उन्होंने कहा कि पहले जीवन में सादगी और मर्यादा थी, जबकि आज टीवी, मोबाइल और आधुनिक सुविधाएं बढ़ गई हैं। इनका संतुलित और सही उपयोग ही लाभकारी है। बच्चों के संस्कारों पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को उपदेश से नहीं, बल्कि अपने आचरण से सिखाना चाहिए। यदि हम स्वयं संयम और अनुशासन अपनाएंगे, तो बच्चे स्वतः उसे अपनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भोजन करते समय एकाग्रता आवश्यक है, तभी स्वाद और स्वास्थ्य दोनों का लाभ मिलता है। आचार्य श्री ने कहा, 'धर्म केवल बोलने की नहीं, बल्कि जीने की वस्तु है। जब आपका जीवन आदर्श बनता है, तो लोग स्वतः प्रेरित होते हैं।' उन्होंने सभी को संदेश दिया कि मैत्री भाव अपनाएं, घर से ही अच्छे संस्कारों की शुरूआत करें और पहले स्वयं बदलें, तभी संसार में परिवर्तन संभव है। संघस्थ आर्यिका महायशमती माताजी ने भी प्रवचन में श्रावक-श्राविकाओं के कर्तव्यों, आने वाली पीढ़ी के प्रति दायित्व और धर्म संस्कारों पर सरल एवं प्रभावी मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि आप सभी यहां अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाने के उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं। आचार्य श्री के जयपुर आगमन के बाद से ज्ञान की गंगा निरंतर प्रवाहित हो रही है और श्रद्धालु उससे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्रावक-श्राविकाओं के प्रमुख कर्तव्य हैं—देव पूजा, गुरु भक्ति (वैयावृत्य) और धर्म आराधना। श्याम नगर में जिनागम अनुसार अभिषेक, पूजन और आराधना की परंपरा निरंतर चल रही है, जो अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि आने वाली पीढ़ी को धर्म से जोड़ना हमारा कर्तव्य है। बच्चों को प्रतिदिन जिनेंद्र भगवान के दर्शन कराएं और उन्हें संस्कारित बनाएं, ताकि वे एक आदर्श जीवन जी सकें। **-राजेश पंचोलिया, इंदौर**

निर्वाण महोत्सव, गुरु महोत्सव एवं मुनि श्री 108 धर्म सागर जी महाराज का दीक्षा महोत्सव श्रद्धा से मनाया गया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन समाज के सानिध्य एवं मुनि श्री के पावन सानिध्य में निर्वाण महोत्सव, गुरु महोत्सव तथा मुनि श्री 108 धर्म सागर जी महाराज का दीक्षा महोत्सव तिथि अनुसार श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः श्री 1008 शांतिनाथ भगवान के महामस्तकाभिषेक एवं विशेष गुरुमुख से शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम सौधर्म इंद्र प्रदीप-मीरा जैन छाबड़ा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। आगे मुनि श्री 108 भाव सागर जी मुनिराज को कमंडल अर्पण करने का सौभाग्य प्रदीप-मीरा जैन छाबड़ा तथा संजय-बबीता जैन गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर समाधिस्थ जैन संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 ज्ञान सागर जी मुनिराज तथा उनके परम प्रभावक शिष्य, समाधिस्थ जैन संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के चरण चिन्हों की नगर में प्रथम बार प्राण प्रतिष्ठा मुनि श्री के निर्देशन में 84 मंत्रों के जाप एवं पूजन के साथ संपन्न हुई। अष्ट कुमारियों द्वारा भी विधिपूर्वक पूजन किया गया। यह चरण चिन्ह पाटनी परिवार, आर.के. मार्बल, किशनगढ़ (राजस्थान) द्वारा प्रदान किए गए, जिन्हें देवघर जैन मंदिर में स्थापित किया जाएगा। समाधिस्थ परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज से दीक्षित एवं आचार्य श्री 108 समय सागर जी मुनिराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री 108 धर्म सागर जी मुनिराज तथा मुनि श्री 108 भाव सागर जी मुनिराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें 22 वर्षों में पहली बार महाकवि आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के चरण चिन्हों की प्रतिष्ठा का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने इस तिथि में दीक्षित सभी मुनिराजों के स्वस्थ रहने एवं जिनशासन की प्रभावना करते रहने की मंगलकामना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव आत्मोत्थान का प्रतीक है। यह शून्य से शिखर तक की यात्रा, कर्मों की समीक्षा और समता का उद्घोष है। दीक्षा जीवन निर्माण से निर्वाण तक की यात्रा है, जो आत्मा को ऊर्ध्वगामी बनाती है। उन्होंने यह भी कहा कि 84 करोड़ मंत्रों में सबसे महान महामंत्र में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु के माध्यम से हृदय का आंगन पवित्र होता है। मुनि श्री ने आचार्य विद्यासागर जी के विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि वे ''इंडिया'' के स्थान पर 'भारत' नाम के प्रयोग और हिन्दी भाषा के महत्व पर विशेष बल देते थे। उन्होंने कहा कि आज भले ही गुरु प्रत्यक्ष रूप में हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके चरण ही हमारे लिए पूजनीय हैं। इसी भावना से गुरु चरणों की प्रतिष्ठा कर उन्हें विराजमान किया गया है। इसके पश्चात सुबोध-आशा जैन गंगवाल परिवार द्वारा संगीतमय गुरु पूजा एवं आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया गया, जिसमें 36 अर्घ्यों के साथ श्रद्धालुओं ने श्रीफल मंडप पर अर्पण किए। साथ ही भक्तों द्वारा निर्वाण लड्डू भी प्रभु चरणों में समर्पित किए गए। कार्यक्रम में समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी, जय कुमार जैन गंगवाल, ललित जैन सेठी, महिला समाज की अध्यक्षा नीलम जैन सेठी, मंत्राणी आशा जैन गंगवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आहार चर्या आज नए मंदिर परिसर में संपन्न हुई तथा समस्त कार्यक्रम स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री के निर्देशन में सम्पन्न हुए। मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा एवं नवीन जैन ने जानकारी दी कि आगामी दिवस पर भी गुरु पूजा एवं मुनि श्री का दीक्षा महोत्सव तिथि अनुसार मनाया जाएगा।

अहंकार बिना बीज का वृक्ष है: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

देवली. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगंबर जैन समाज, देवली (राजस्थान) के अध्यक्ष संजय जैन ने जानकारी दी कि गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ एवं गणिनी आर्यिका 105 जिनदेवी माताजी ससंघ का भव्य मिलन समारोह आयोजित हुआ। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि प्रातःकाल अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने अपने प्रवचन में 'अहंकार' विषय पर गहन विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि अहंकार एक ऐसा वृक्ष है, जो बिना बीज के ही मन में उग जाता है। इसलिए मनुष्य को कभी अहंकार में नहीं आना चाहिए। गुरुमाँ ने कहा कि 'अकड़ना मुर्दे की पहचान है, जबकि झुकना जीवन और निर्माण की पहचान है।' उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जब लोहा नरम होता है, तभी उससे सांकल बनती है; सोना नरम होता है, तभी आभूषण बनते हैं; आटा नरम होता है, तभी रोटी बनती है; और मिट्टी नरम होती है, तभी घड़ा आकार लेता है। इसी प्रकार जब मनुष्य का हृदय कोमल और विनम्र होता है, तभी वह श्रेष्ठता और ईश्वरत्व की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने आगे कहा कि अहंकार मनुष्य को भीतर से खोखला कर देता है, जबकि विनम्रता उसे महान बनाती है। इसलिए जीवन में नम्रता, सरलता और आत्मसंयम को अपनाना चाहिए। गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी के इस प्रेरणादायक प्रवचन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहराई से प्रभावित किया और सभी को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित किया।

राजनीति

जन जागरूकता की आवश्यकता और लोकतंत्र की सुदृढ़ता

कांतिलाल मांडोत

भारत विश्व का सबसे बड़ा और जीवंत लोकतंत्र है, जहां सत्ता की चाबी जनता के पास है। मतदान का अधिकार केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त साधन है। जब एक नागरिक मतदान करता है, तो वह न केवल एक प्रतिनिधि चुनता है, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा और शासन की नीतियों को भी आकार देता है। इसके बावजूद, यह एक कड़वी सच्चाई है कि चुनाव दर चुनाव एक बड़ा वर्ग मतदान से दूरी बनाए रखता है। यही कारण है कि 'अनिवार्य मतदान' और 'व्यापक जन जागरूकता' आज के समय में केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गए हैं। हाल के वर्षों में संसद के भीतर महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे ऐतिहासिक विषयों पर हुई चर्चा ने लोकतंत्र की गहराई को दर्शाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया कि ये मुद्दे किसी विशिष्ट दल के एजेंडे नहीं, बल्कि राष्ट्रहित के सर्वोच्च विषय हैं। उन्होंने विपक्ष से मार्मिक अपील की कि महिलाओं के अधिकारों को राजनीति के तराजू पर न तौला जाए। प्रधानमंत्री का यह कहना कि 'विपक्ष चाहे तो इसका श्रेय ले ले, लेकिन अधिकारों की राह न रोके', लोकतंत्र की गरिमा को बढ़ाने वाला दृष्टिकोण है। हालांकि, लोकतंत्र में असहमति का स्थान सर्वोपरि है, परंतु विरोध का आधार रचनात्मक होना चाहिए। जब प्रियंका वाड्रा, अखिलेश यादव या कपिल सिब्बल जैसे नेताओं द्वारा सरकार की मंशा पर प्रश्न उठाए जाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक सतर्कता का हिस्सा है। लेकिन, जब जनहित के निर्णयों पर बिना ठोस आधार के केवल राजनीति के लिए विरोध होता है, तो वह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करता है। यहीं पर अनिवार्य मतदान का विचार प्रासंगिक हो जाता है। यदि प्रत्येक नागरिक के लिए मतदान कानूनी रूप से अनिवार्य कर दिया जाए, तो भारत का लोकतंत्र और अधिक समावेशी और संतुलित होगा। वर्तमान में, शिक्षित शहरी वर्ग में मतदान के प्रति उदासीनता देखी जाती है, जबकि ग्रामीण भारत में भागीदारी अधिक उत्साहजनक होती है। यह विरोधाभास दर्शाता है कि समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि जागरूकता और सोच की है। अनिवार्य मतदान नागरिकों को 'दर्शक' की भूमिका से निकालकर 'सक्रिय भागीदार' बनाएगा।

संपादकीय

सवाल सिर्फ कानून का नहीं, भरोसे का भी

झारखंड की राजधानी रांची और उससे जुड़े औद्योगिक एवं भूमि मामलों में अदानी समूह का नाम एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। हाल के महीनों में भूमि आवंटन, एमओयू की शर्तों के पालन और कानूनी प्रक्रियाओं को लेकर उठे सवालों ने न केवल राज्य की राजनीति को गरमाया है, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और कॉरपोरेट जवाबदेही पर भी गंभीर बहस छेड़ दी है। रांची में अदानी समूह से जुड़े मामलों में एफआईआर और जांच की

खबरें यह संकेत देती हैं कि मामला केवल एक कंपनी या एक परियोजना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शासन व्यवस्था की विश्वसनीयता से भी जुड़ गया है। यदि निष्पक्ष दृष्टि से देखा जाए तो किसी भी बड़े औद्योगिक घराने के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना अपने आप में असाधारण घटना नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कानून सबके लिए समान है चाहे वह आम नागरिक हो या देश का कोई बड़ा कारोबारी समूह। लेकिन जब मामला अदानी जैसे प्रभावशाली कॉरपोरेट समूह से जुड़ता है, तब इसकी राजनीतिक और सामाजिक प्रतिध्वनि कहीं अधिक व्यापक हो जाती है। यही कारण है कि यह प्रकरण सामान्य कानूनी कार्रवाई से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बन गया है। झारखंड लंबे समय से खनन, ऊर्जा और औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र रहा है। ऐसे में बड़े निवेशकों का आना राज्य के विकास के लिए आवश्यक माना जाता है। रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना का विस्तार और राजस्व वृद्धि जैसे कई सकारात्मक पहलू इससे जुड़े होते हैं। हालांकि, यदि निवेश के साथ भूमि अधिग्रहण, पर्यावरणीय मंजूरी या प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो सरकार और कंपनी दोनों की जवाबदेही तय होना अनिवार्य हो जाता है। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है जनता का भरोसा। झारखंड जैसे संसाधन संपन्न राज्य में पहले भी भूमि और खनन से जुड़े कई विवाद सामने आते रहे हैं। विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन को लेकर संवेदनशीलता अत्यधिक है। ऐसे में यदि किसी बड़े कॉरपोरेट समूह पर एफआईआर दर्ज होती है या जांच शुरू होती है, तो स्थानीय लोगों के मन में आशंकाएं पैदा होना स्वाभाविक है। सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह जांच को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध बनाए, ताकि भरोसा कायम रह सके। विपक्ष के लिए यह मुद्दा एक राजनीतिक हथियार बन सकता है, जबकि सत्ता पक्ष के लिए यह अपनी नीतियों की विश्वसनीयता सिद्ध करने की परीक्षा है। हालांकि, इस पूरे विवाद को केवल राजनीति के नजरिये से देखना उचित नहीं होगा। असली सवाल यह है कि क्या राज्य में निवेश और जनहित के बीच संतुलन स्थापित किया जा रहा है या नहीं। यदि यह संतुलन बिगड़ता है, तो विकास की अवधारणा ही संदेह के घेरे में आ जाती है। देश में बड़े कॉरपोरेट घरानों को लेकर अक्सर यह बहस होती रही है कि क्या उन्हें सरकारी नीतियों में विशेष लाभ मिलता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

छात्रों का आत्मघात

एक सामूहिक विफलता का दर्पण कुरुक्षेत्र स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में मात्र दो महीनों के भीतर चार होनहार छात्रों द्वारा आत्महत्या की घटनाएं केवल एक संस्थान की प्रशासनिक त्रासदी नहीं हैं, बल्कि यह पूरे भारतीय समाज, हमारी जर्जर शिक्षा व्यवस्था और हमारी सामूहिक संवेदनहीनता पर लगा एक भयावह प्रश्नचिह्न है। ये घटनाएं हमें झकझोरती हैं और सोचने पर विवश करती हैं कि आखिर वे कौन-सी परिस्थितियां हैं, जिनमें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं, जो कल का भविष्य बनने वाली थीं, जीवन से हार मानने को मजबूर हो जाती हैं। कोई भी युवा, जो कठिन प्रतिस्पर्धा से गुजरकर ऐसे प्रतिष्ठित संस्थानों तक पहुंचता है, वह सहज रूप से जीवन का परित्याग नहीं करता। वह यह आत्मघाती निर्णय तब लेता है जब उसे हर ओर केवल अंधकार दिखाई देता है। यह अंधकार व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक और संस्थागत विफलताओं का एक सम्मिलित और जटिल परिणाम है। अपेक्षाओं का पहाड़ और टूटते सपने एक बड़ा सवाल आज सबके सामने खड़ा है कि छात्रों का यह आत्मघात सपनों का बोझ है या सिस्टम की नाकामी? आज भारत का भविष्य कहे जाने वाले युवा जिस मानसिक दबाव, गलाकाट प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के बोझ तले दबे हैं, वह अभूतपूर्व रूप से चिंताजनक है। कोटा जैसे 'शिक्षा नगर' अब 'आत्महत्या के केंद्रों' के रूप में कुख्यात हो रहे हैं, जहाँ हर वर्ष दर्जनों छात्र अपनी जान दे देते हैं। हम अक्सर इन घटनाओं को महज आंकड़ों में तब्दील कर देते हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि हर आंकड़े के पीछे एक जीवित सपना, एक संघर्षरत परिवार और टूटती उम्मीदों की एक मर्मस्पर्शी कहानी दफन होती है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शिक्षा केंद्रों में बढ़ती आत्महत्याएं इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ मूलभूत और गंभीर त्रुटियां हैं। यह केवल पढ़ाई का दबाव नहीं है, बल्कि उस मानसिक संरचना का संकट है, जिसमें सफलता को जीवन का एकमात्र पर्याय बना दिया गया है और असफलता को जीवन का अंत। आंकड़ों की भयावहता और संस्थानों की स्थिति भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018 से 2023 के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। विडंबना यह है कि इनमें से सबसे अधिक घटनाएं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में हुईं, इसके बाद एनआईटी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों का स्थान आता है। यह तथ्य उस रूढ़िवादी धारणा को तोड़ता है कि केवल पढ़ाई में 'कमजोर' छात्र ही तनाव का शिकार होते हैं। सच्चाई यह है कि सबसे प्रतिभाशाली और संवेदनशील छात्र ही अक्सर सबसे अधिक दबाव महसूस करते हैं, क्योंकि वे स्वयं से अत्यधिक अपेक्षाएं रखते हैं और समाज की नजरों में गिरने के डर से असफलता को स्वीकार नहीं कर पाते। सामाजिक मानसिकता और 'प्रोजेक्ट' बनता बचपन यहाँ प्रश्न केवल संस्थानों के बुनियादी ढांचे का नहीं है, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता का भी है जिसने सफलता को एक बहुत ही संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया है। हमारे समाज में परिवार बच्चों को बचपन से ही यह सिखाते हैं कि जीवन का एकमात्र लक्ष्य प्रतियोगी परीक्षाओं में रैंक लाना है। अभिभावक अपनी सामर्थ्य से अधिक खर्च कर कोचिंग संस्थानों में बच्चों को भेजते हैं, बैंक से कर्ज लेते हैं और अपनी अधूरी इच्छाओं को बच्चों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह भारी-भरकम निवेश बच्चों के मन पर इतना गहरा दबाव डालता है कि वे स्वयं को एक जीते-जागते इंसान के बजाय एक 'प्रोजेक्ट' की तरह देखने लगते हैं। जब यह प्रोजेक्ट असफल होता है, तो उन्हें लगता है कि उनका अस्तित्व ही निरर्थक हो गया है।

कर्तव्य पथ पर अडिग रहो: जब नियत शुद्ध हो, तो परमात्मा स्वयं सारथी बन जाते हैं...

जीवन में कई बार ऐसे मोड़ आते हैं, जब इंसान को लगता है कि वह अकेला पड़ गया है—कोई साथ नहीं है, कोई समझने वाला नहीं है। लेकिन वास्तव में यही वे क्षण होते हैं, जब हमारे भीतर के विश्वास और हमारे कर्तव्य की सच्चाई की परीक्षा होती है। जो व्यक्ति अपने कर्तव्य पथ पर दृढ़ता से चलता है, वह कभी अकेला नहीं होता। उसकी नीयत यदि साफ है और उद्देश्य निष्कलंक है, तो भले ही संसार का साथ न मिले, परमात्मा का अदृश्य साथ सदैव उसके साथ रहता है। कर्तव्य केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आत्मा का धर्म है। जब हम बिना स्वार्थ और बिना भय के अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, तब हमारे भीतर एक अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यह शक्ति बाहरी नहीं, बल्कि भीतर से उत्पन्न होती है—और यही शक्ति हमें कठिन परिस्थितियों में भी डगमगाने नहीं देती। कई बार लोग साथ छोड़ देते हैं, विरोध में खड़े हो जाते हैं या आपके प्रयासों को गलत समझते हैं, लेकिन यदि आपकी नीयत शुद्ध है, तो विचलित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। इतिहास और धर्मग्रंथों में भी यही संदेश बार-बार मिलता है कि सच्चे मार्ग पर चलने वाला कभी पराजित नहीं होता। भगवान भी उसी के साथ होते हैं, जो सत्य और धर्म का पालन करता है। जब अर्जुन जैसे पराक्रमी योद्धा भी भ्रमित हुए, तब भगवान ने स्वयं उनका सारथी बनकर मार्गदर्शन किया। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जब मन निर्मल हो और व्यक्ति अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित हो, तब परमात्मा स्वयं उसकी राह को सरल बना देते हैं। आज के समय की एक बड़ी विडंबना यह है कि लोग परिणाम देखकर कर्तव्य तय करते हैं, जबकि सही दृष्टिकोण यह है कि कर्तव्य के अनुसार कर्म किया जाए और परिणाम की चिंता छोड़ दी जाए। यदि आपका कर्म सही है और नीयत साफ है, तो परिणाम भी देर-सवेर आपके पक्ष में ही आएगा। इसलिए परिस्थितियों से भयभीत होने के बजाय अपने कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जीवन में आगे बढ़ने के लिए आत्मविश्वास, सच्चाई और धैर्य अत्यंत आवश्यक हैं। जब ये तीनों गुण एक साथ होते हैं, तो कोई भी बाधा आपको रोक नहीं सकती। जो व्यक्ति हर परिस्थिति में अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देता है, वह अंततः सफलता और सम्मान दोनों प्राप्त करता है। इसलिए कभी यह मत सोचिए कि आप अकेले हैं। यदि आप सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर हैं, तो आपके साथ स्वयं परमात्मा खड़े हैं। आवश्यकता केवल इस बात की है कि आप अपने मन को दृढ़ रखें, नीयत को शुद्ध रखें और बिना भय के अपने मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते रहें।

नितिन जैन
संयोजक: जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा) जिलाध्यक्ष: अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

भक्ति और उल्लास के संग घटयात्रा से शुभारंभ

ज्योति नगर में तीन दिवसीय महोत्सव की धूम

आगरा. शाबाश इंडिया। निर्यापक मुनि श्री विलोक सागर जी महाराज एवं मुनि श्री विबोध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, ज्योति नगर (अर्जुन नगर, खेरिया मोड़) में 22 से 24 अप्रैल तक आयोजित तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव का शुभारंभ बुधवार को अत्यंत भव्यता और उल्लास के साथ हुआ। प्रातःकाल निकली आकर्षक घटयात्रा में सौभाग्यशाली इंद्राणियों सहित सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु बैंड की मधुर धुनों पर भक्ति भाव से झूमते नजर आए। पूरा क्षेत्र ''जय जिनेन्द्र'' के जयघोष और धार्मिक वातावरण से गुंजायमान हो उठा। ध्वजारोहण का पुण्य लाभ विमल जैन सिंघई एवं सुनील जैन सिंघई को प्राप्त हुआ। समारोह में विभिन्न धार्मिक पात्रों—सौधर्म इंद्र, धनपति कुबेर, महायज्ञ नायक आदि के रूप में कई परिवारों को विशेष सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई। समाज के सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में सराहनीय योगदान दिया। सायंकाल आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सोनू जैन के निर्देशन में भव्य ''इंद्र सभा'' की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार को यागमंडल विधान तथा सायंकाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित होगी। यह भव्य आयोजन धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रहलाद कुमार जैन, मंत्री जितेंद्र कुमार जैन, हरिओम जैन, विमल जैन, निखिलेश जैन, दिनेश जैन, पवन जैन, विमल जैन मारसंस, जगदीश प्रसाद जैन, मनीष जैन, मनोज बाकलीवाल, मनोज जैन बल्लौ, राकेश जैन पदार्वाले, शीतल प्रसाद, संजय जैन, अमित सेठी, पारस जैन, मनीष जैन लवली, उषा मारसंस, अनीता जैन, रुचि जैन, रजनी जैन, उर्मिला जैन, रेखा जैन, मधु जैन, वंदना जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

'जोग निरोध अघाति घाति लहि...' के जयकारों से गुंजायमान हुए जिनालय

भगवान अभिनंदननाथ का निर्वाणोत्सव संपन्न

कोटखावदा. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनंदननाथ का गर्भ एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव बुधवार, 22 अप्रैल को कोटखावदा सहित आसपास के क्षेत्रों में अपार श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर दिगंबर जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के आयोजन किए गए और मोक्ष के प्रतीक के रूप में 'निर्वाण लाडू' चढ़ाया गया।

धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में मंदिरों में प्रातःकाल भगवान के अभिषेक और शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात भक्तों ने गर्भ कल्याणक श्लोकों के उच्चारण के साथ अर्घ्य समर्पित किए। पूजा के मुख्य चरण में निर्वाण कांड भाषा का वाचन किया गया और 'वैशाख शुक्ल छठ' के विशेष श्लोकों के साथ मंत्रोच्चार करते हुए निर्वाण लाडू चढ़ाए गए। भगवान की भव्य महाआरती के साथ कार्यक्रमों का समापन हुआ।

क्षेत्रीय आयोजन और प्रमुख उपस्थिति

शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर (खोह): यहाँ निर्वाण लाडू चढ़ाने के पश्चात महाआरती में श्रद्धालु भक्ति से झूम उठे। इस दौरान समाजसेवी विनोद जैन, कमल वैद, राजेश वैद और दीपिका जैन सहित कई गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बड़ा बास स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर: यहाँ अध्यक्ष महावीर गंगवाल और महामंत्री पंकज वैद के नेतृत्व में विशेष पूजन कर निर्वाण लाडू अर्पित किया गया।

काशीपुरा पार्श्वनाथ मंदिर: यहाँ आचार्य विनीत सागर महाराज के सानिध्य में निवाणोत्सव मनाया गया, जिसमें बाबू लाल गोधा और कैलाश पाटनी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके अतिरिक्त रूपाहेड़ीकला, निमोडिया, बस्सी, पदमपुरा और चाकसू के आदिश्वर धाम सहित अन्य मंदिरों में भी विविध धार्मिक आयोजन हुए। श्री जैन ने जानकारी दी कि आगामी 24 अप्रैल को भगवान धर्मनाथ का गर्भ कल्याणक और 26 अप्रैल को भगवान महावीर स्वामी का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

पाषाण से निर्मित हो रहे विशाल जिनालय में तिलक दान के साथ प्रभु विराजित हुए

जीवन के संसाधनों में उलझकर व्यक्ति अपने स्वरूप को भूल जाता है: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

मुंगावली. शाबाश इंडिया

पाषाण से निर्मित हो रहे भव्य जिनालय में भगवान श्री शांतिनाथ की प्रतिमा के तिलक दान के साथ प्रतिष्ठा कार्य का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि गृहस्थ जीवन में व्यक्ति जीवन-यापन के संसाधनों को जुटाने में इतना व्यस्त हो जाता है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप और जगत के सत्य को भूल जाता है। यहां तक कि उसे अपने दुःख का भी बोध नहीं रहता। उन्होंने कहा कि जब सौभाग्य से सद्गुरु का सान्निध्य मिलता है, तब व्यक्ति को यह समझ आता है कि वह किस प्रकार संसारिक उलझनों में फंस गया है। इस दुर्लभ मनुष्य जन्म में हमें अपनी भूलों को सुधारने का अवसर मिला है, जिसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि जगत की भलाई के लिए जो भी संभव हो, निरंतर करते रहना चाहिए।

अशोक नगर जैन समाज ने किया श्रीफल भेंट

अशोक नगर जैन समाज पंचायत समिति के अध्यक्ष राकेश कासल, उपाध्यक्ष अजीत वरोदिया, महामंत्री प्रदीप तरई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, विजय धुर्रा, संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर संजय केटी, संयोजक उमेश सिंघई सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुनि संघ को श्रीफल भेंट कर शांति नगर गांव मंदिर के वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु आग्रह किया। समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि हम सभी गुरुदेव के समक्ष निवेदन लेकर आए हैं और उनके चरण पड़ते ही सभी कार्य सफल होंगे।

आईएएस चितवन जैन का सम्मान

अशोक नगर जिले से आईएएस बनी चितवन जैन ने परिवार सहित मुनि श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा की भावना उन्हें गुरुदेव के आशीर्वाद से ही प्राप्त हुई है और वे इसे और अधिक सार्थक बनाना चाहती हैं। इस पर मुनि श्री ने कहा कि सबसे पहले राष्ट्र है। राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, तभी धर्म और संस्कृति की रक्षा संभव है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में धर्म साधना के लिए अनुकूल अवसर है, जिसका सदुपयोग करना चाहिए।

आत्मा की भटकन का कारण स्वयं की भूल

मुनि श्री ने कहा कि जीवात्मा अपनी ही भूलों के कारण भटक रही है। हमें अपने कर्मों के प्रभाव से ऊपर उठकर आत्मचिंतन करना चाहिए और ज्ञाता-दृष्टा भाव को अपनाना चाहिए। इससे राग, द्वेष और मोह में कमी आएगी, जो दुखों का मुख्य कारण हैं। उन्होंने सभी से आत्मस्वरूप की ओर एक कदम बढ़ाने का आह्वान किया।

णमोदय तीर्थ के रूप में विकसित हो रहा जिनालय

पिछले 12 वर्षों से पाषाण से निर्मित हो रहे नवीन जिनालय में विराजमान होने वाली 15 फीट ऊंची भगवान श्री शांतिनाथ की

प्रतिमा के तिलक दान का सौभाग्य श्रीमती उषा, देवेन्द्र कुमार एवं अर्पित कुमार सिंघई परिवार को प्राप्त हुआ। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के मंत्रोच्चार के बीच तिलक दान की क्रिया संपन्न हुई। इसके बाद समाज एवं बाहर से आए श्रद्धालुओं ने भी तिलक दान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष रूपेश जैन, मंत्री शशांक सिंघई, पूर्व अध्यक्ष चन्द्र कुमार मोदी, अरविंद कुमार मक्कू, मनीष मोदी, दीप टडैया, काली मोदी, संजय सिंघई सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निवाई. शाबाश इंडिया। उपखंड मुख्यालय स्थित श्री दिगंबर जैन महासमिति एवं शुभकामना परिवार के वेयरहाउस जोन में पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान पर्यावरण प्रेमी विमल जौंला एवं संजू जौंला ने बुधवार को छायादार पौधे लगाए। पौधारोपण के साथ ही उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं उन्हें पर्याप्त पानी देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विमल जौंला ने कहा कि ''पृथ्वी पर हरियाली रहेगी, तो जीवन में खुशहाली रहेगी।'' उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न स्थानों पर व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा, ताकि पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि वे महासमिति के बैनर तले पूर्व में भी कई बार वृक्षारोपण अभियान चला चुके हैं और आगे भी इस कार्य को निरंतर जारी रखेंगे। पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि यह दिवस प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 1970 में अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन द्वारा पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य से की गई थी। आज यह दिवस 192 से अधिक देशों में मनाया जाता है और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का कार्य करता है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्रकृति संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

श्री दिगंबर जैन मंदिर (श्री चन्द्रप्रभ) ट्रस्ट, दुर्गापुरा जयपुर के चुनाव सम्पन्न

प्रकाश चंद जैन चांदवाड़ अध्यक्ष, राजेंद्र कुमार जैन काला बने मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर (श्री चन्द्रप्रभ) ट्रस्ट, दुर्गापुरा जयपुर की कार्यकारिणी के सत्र 2026-29 के लिए चुनाव अधिकारी अमरचंद जैन द्वारा निर्विरोध चुनाव सम्पन्न कराए गए। चुनाव में अध्यक्ष पद पर प्रकाश चंद जैन चांदवाड़ (दौसा वाले) निर्वाचित हुए। कार्याध्यक्ष के रूप में सतेन्द्र जैन पांड्या को चुना गया। उपाध्यक्ष पद पर नरेश कुमार जैन बाकलीवाल (निमोड़िया वाले), सुनील कुमार जैन संगही, जय कुमार जैन (बगरू वाले) एवं नेमी जैन निगोतिया को जिम्मेदारी सौंपी गई। मंत्री पद पर राजेंद्र कुमार जैन काला

(चंदलाई वाले) का चयन हुआ। संयुक्त मंत्री के रूप में रमेश चंद जैन छाबड़ा एवं जैन भवन व्यवस्था के संयुक्त मंत्री के रूप में सुनील कुमार जैन काला को नियुक्त किया गया। कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी विमल कुमार जैन गंगवाल (निमोड़िया वाले) को दी गई। मुख्य समन्वयक के रूप में श्रीमती चंदा जैन सेठी, सांस्कृतिक मंत्री के रूप में श्रीमती रेखा जैन पाटनी तथा प्रचार-प्रसार मंत्री के रूप में मनीष जैन सेठी (केकड़ी वाले) को मनोनीत किया गया। संगठन एवं भंडार व्यवस्था मंत्री के रूप में संजय जैन सोगाणी (चनानी वाले), सह संगठन मंत्री के रूप में बालचंद जैन बिलाला, त्यागी-व्रती व्यवस्था मंत्री के रूप में विमल चंद जैन बड़जात्या (रेणी वाले) तथा सह त्यागी-व्रती व्यवस्था मंत्री के रूप में महेंद्र कुमार जैन सेठी को जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा वित्त सलाहकार के रूप में आनंद जैन अजमेरा को नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज हित में कार्य करने और धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

नेत्रदान, रक्तदान और मरणोपरांत देहदान हमारी सांस्कृतिक विरासत: अजीत कोठिया

बांसवाड़ा. शाबाश

महावीर इंटरनेशनल की ई-चौपाल में मंगलवार को ''रक्तदान, नेत्रदान और मरणोपरांत देहदान'' विषय पर संभागीय स्तर पर व्यापक चर्चा-परिचर्चा आयोजित की गई। चर्चा की शुरूआत करते हुए चौपाल इंटरनेशनल के अजीत कोठिया ने देहदान को महर्षि दधीचि की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत बताते हुए सभी से देहदान, अंगदान और नेत्रदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रक्त न तो किसी फैक्ट्री में बनता है और न ही मेडिकल स्टोर्स पर उपलब्ध होता है। केवल एक स्वस्थ व्यक्ति ही रक्तदान कर सकता है। उन्होंने बताया कि इन तीनों दानों–रक्तदान, नेत्रदान और देहदान–से बढ़कर कोई दान नहीं है, क्योंकि इनके माध्यम से किसी के प्राण बचाए जा सकते हैं और उसे नया जीवन दिया जा सकता है। इस अवसर पर सुमेरसिंह कर्णावत, भुवनेश्वरी मालोत, निधि गांधी, विजया चौधरी, राजलक्ष्मी भंडारी, मीना जैन, आरती मूंड, रतन फलोदिया, प्रदीप टोंग्या, सुरेश चंद्र गांधी, महेश मूंड, वंदना बक्षी, रवींद्र लूनिया तथा सुनीता जम्मार ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी सदस्यों से आग्रह किया गया कि वे अपना ब्लड ग्रुप अपने स्टेटस पर साझा करें तथा अपने परिचितों के नंबर ब्लड ग्रुप सहित सेव करें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर रतन फलोदिया ने सभी केंद्रों द्वारा अब तक किए गए रक्तदान, नेत्रदान और देहदान के समेकित आंकड़े एपेक्स को भेजने का सुझाव दिया, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर एक सशक्त डाटाबेस तैयार किया जा सके। चौपाल में 32 सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया तथा अंत में महेश कुमार मूंड ने आभार व्यक्त किया।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और आलियांज ने बीमा क्षेत्र में 50:50 संयुक्त उद्यम के लिए समझौता किया

Jio | Allianz

इस अवसर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश डी. अंबानी ने कहा कि जियो की डिजिटल शक्ति और आलियांज की विशेषज्ञता मिलकर भारत के हर कोने तक विश्व स्तरीय बीमा सेवाएं पहुंचाएगी, जो 'विकसित भारत' की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मुंबई/म्यूनिख. शाबाश इंडिया। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और वैश्विक बीमा दिग्गज आलियांज ग्रुप (आलियांज यूरोप बीवी) ने भारत में जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस सेवाओं के लिए एक 50:50 संयुक्त उद्यम बनाने हेतु बाध्यकारी समझौता किया है। यह साझेदारी जुलाई 2025 में घोषित सहयोग को औपचारिक रूप देती है, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत सरकार के '2047 तक सभी के लिए बीमा' के राष्ट्रीय विजन को साकार करना है। यह गठबंधन जियो की व्यापक डिजिटल पहुंच और भारतीय बाजार की गहरी समझ को आलियांज के 136 वर्षों के वैश्विक बीमा अनुभव और उत्कृष्ट उत्पादों के साथ जोड़ता है। दोनों कंपनियां देश के बढ़ते मध्यम वर्ग और युवाओं को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से किफायती, सरल और सुलभ सुरक्षा समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस के साथ-साथ, दोनों समूह लाइफ इंश्योरेंस व्यवसाय के लिए भी एक अलग समझौते पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस अवसर पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश डी. अंबानी ने कहा कि जियो की डिजिटल शक्ति और आलियांज की विशेषज्ञता मिलकर भारत के हर कोने तक विश्व स्तरीय बीमा सेवाएं पहुंचाएगी, जो 'विकसित भारत' की दिशा में एक बड़ा कदम है। आलियांज एसई के सीईओ ओलिवर बाते ने इस साझेदारी को समावेशी आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नया मॉडल पूरी तरह से ग्राहकों की जरूरतों पर केंद्रित होगा। यह संयुक्त उद्यम आवश्यक वैधानिक और विनियामक मंजूरी मिलते ही अपना परिचालन शुरू कर देगा, जिससे भारतीय नागरिकों और व्यवसायों को भविष्य के लिए बेहतर वित्तीय सुरक्षा प्राप्त होगी।

जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनंदननाथ का गर्भ एवं मोक्ष कल्याणक पर्व हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लसाड़िया तथा लदाना सहित विभिन्न जिनालयों में जैन धर्म के चौथे तीर्थंकर भगवान अभिनंदननाथ का गर्भ एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में प्रातःकाल श्रीजी का अभिषेक एवं सामूहिक शांतिधारा का आयोजन किया गया। इसके पश्चात अष्टद्रव्यों से विधिपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इस अवसर पर देश की सर्वोच्च साध्वी गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी, विशुद्धमती माताजी, आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज, समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर जी महाराज, गुणसागर जी महाराज सहित विभिन्न पूवार्चार्यों को अर्घ्य अर्पित किए गए। इसके बाद भगवान अभिनंदननाथ के गर्भ कल्याणक का अर्घ्य अर्पित किया गया तथा मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में लड्डू चढ़ाकर सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान समाज की उर्मिला नला एवं मीरा झंडा ने भगवान अभिनंदननाथ के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म अयोध्या में राजा संवर और माता सिद्धार्था देवी के यहां हुआ था। उनका चिन्ह बंदर है। उनके यक्ष का नाम यक्षेश्वर तथा यक्षिणी का नाम वज्रश्रृंखला है। उन्होंने आत्मज्ञान और त्याग का मार्ग बताया तथा कठोर तपस्या के पश्चात शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर से मोक्ष प्राप्त किया। इस अवसर पर समाज के सोहनलाल झंडा, सुरेश मांदी, रतन नला, त्रिलोक पीपलू, सुरेश डेठानी, हेमराज कलवाड़ा, विनोद मोदी, राजकुमार नला तथा सुशीला बावड़ी, मंजू नला, उर्मिला नला, मीरा झंडा, मंजू बावड़ी, संजू बावड़ी, नैना बावड़ी, रानी नला सहित सभी श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'तीर्थंकर' जयपुर को मिले चार राष्ट्रीय पुरस्कार

चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 30वें राष्ट्रीय अधिवेशन में जयपुर के दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'तीर्थंकर' ने अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के आधार पर बड़ी सफलता हासिल की है। चांदखेड़ी अतिशय क्षेत्र पर आयोजित इस गरिमामय समारोह में तीर्थंकर ग्रुप को वर्ष भर किए गए सेवा कार्यों के लिए कुल चार प्रतिष्ठित अवार्ड्स से नवाजा गया। फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोहर झाझरी ने तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' और सचिव श्री सुरेश कुमार गंगवाल को ये सम्मान प्रदान किए। ग्रुप को निम्नलिखित चार श्रेणियों में उनके विशेष योगदान के लिए 'मोमेंटो' भेंट किए गए: जीव दया, धार्मिक यात्रा, मानव सेवा, पर्यावरण संरक्षण

इस राष्ट्रीय अधिवेशन के मंच पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश विनायका, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री यशकमल अजमेरा सहित फेडरेशन के कई अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे। तीर्थंकर ग्रुप की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए अधिवेशन में ग्रुप की कोषाध्यक्ष श्रीमती शशि जैन, डॉ. शांति जैन 'मणि', मंजू छाबड़ा, आभा गंगवाल और विजय लक्ष्मी (बेला) ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्रुप के पदाधिकारियों ने बताया कि ये पुरस्कार समाज सेवा और धार्मिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

भगवान अभिनन्दननाथ का गर्भ व मोक्ष कल्याणक धुलियान में श्रद्धा से मनाया गया

धुलियान, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल). शाबाश इंडिया

बुधवार, वैशाख शुक्ल षष्ठी के पावन अवसर पर श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर, धुलियान में 4वें तीर्थंकर भगवान अभिनन्दननाथ का गर्भ कल्याणक एवं मोक्ष निर्वाण कल्याणक अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अभिषेक एवं शांतिधारा से हुई। इसके पश्चात देवाधिदेव, त्रिलोक के नाथ भगवान अभिनन्दननाथ, जिन्होंने आनंदकूट से मोक्ष निर्वाण प्राप्त किया, उनके गर्भ कल्याणक पर अर्घ अर्पित किया गया तथा मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में लड्डू चढ़ाकर भक्तों ने अपनी श्रद्धा व्यक्त की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

— संजय कुमार जैन बड़जात्या

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

विश्व पृथ्वी दिवस पर सकोरा वितरण कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर केंद्र द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पायोनियर इंस्टिट्यूशंस, गढ़ी तथा पुलिस थाना गढ़ी में सकोरा वितरण के दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं पक्षियों के लिए पेयजल व्यवस्था का सराहनीय संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वयोवृद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष पंड्या रहे, जबकि अध्यक्षता सब इंस्पेक्टर प्रकाश चंद्र ने की। मुख्य वक्ता के रूप में महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। अजीत कोठिया ने कहा कि पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि पक्षियों के संरक्षण के बिना पर्यावरण संरक्षण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से सकोरे वितरित कर समाज में जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सचिव रामभरत चेजारा ने सभी से अपील की कि वे सुबह और शाम सकोरों में नियमित रूप से पानी भरें, ताकि पक्षियों को भीषण गर्मी में राहत मिल सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सब इंस्पेक्टर प्रकाश चंद्र ने आश्वासन दिया कि थाना गढ़ी परिसर में लगाए गए सभी सकोरों में पुलिस स्टाफ द्वारा नियमित रूप से पानी भरा जाएगा। पायोनियर इंस्टिट्यूशंस के विद्यार्थियों एवं वार्डन सुभाष शर्मा ने भी परिसर में लगाए गए सकोरों में नियमित पानी भरने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वयोवृद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष पंड्या ने महावीर इंटरनेशनल के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे अत्यंत प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का संचालन सचिव रामभरत चेजारा ने किया तथा अंत में सुभाष शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

प्रथम पुण्यतिथि

आपकी यादें हर पल हमारे संग मुस्कुराती हैं,
आपकी बातें पग पग जीवन में राह दिखाती हैं।

हमारे पूजनीय श्री नवीन सेन जैन जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर भक्तामर दीप अनुष्ठान का आयोजन किया गया है।

दिनांक: 25 अप्रैल 2026, शनिवार | **समय:** सायं 7:30 बजे से
स्थान: बैंक्वेट हॉल, SDC Euro Exotica, श्री कुशल नगर, न्यू सांगानेर रोड फ्लाईओवर, Sanganer, जयपुर

कृपया पधारकर अपनी गरिमामयी उपस्थिति से हमें अनुगृहीत करें।
कृपया इसे ही व्यक्तिगत निमंत्रण मानकर अवश्य पधारें।

शशी सेन जैन - सोनाली अक्षय ठोलिया - श्वेता राकेश छाबड़ा - चारू अमन बंसल
एवं समस्त परिवार
Mob. 9694087888

एम्बिशन का संकल्प—पेड़ लगाओ, हरियाली बढ़ाओ

जीवन बचाओ, देश खुशहाल बनाओ

जयपुर. शाबाश इंडिया। एम्बिशन किड्स एकेडमी में पृथ्वी दिवस का आयोजन बड़े उत्साह और पर्यावरण जागरूकता के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं हरियाली के महत्व पर प्रकाश डाला गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि पृथ्वी को सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए छोटे-छोटे प्रयास भी अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों ने प्राचार्य डॉ. अलका जैन के सानिध्य में एक सराहनीय संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में कम से कम 100 पौधे लगाएंगे और उनकी नियमित देखभाल करेंगे, ताकि भारत को हरा-भरा बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया गया कि वे अपने घर और आसपास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाएं तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएं। यह आयोजन सभी के लिए प्रेरणादायक रहा और एक हरित एवं स्वच्छ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

आर्यिका अर्हंश्री माताजी का 11वां दीक्षा (गुरु उपकार) दिवस 26 अप्रैल को मनाया जाएगा

प्रतापनगर. शाबाश इंडिया। आचार्य विभव सागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका अर्हंश्री माताजी श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 8, प्रतापनगर में विराजमान हैं। सुरभि दीदी ने बताया कि दिनांक 26 अप्रैल को आर्यिका अर्हंश्री माताजी का 11वां दीक्षा (गुरु उपकार) दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत प्रातः 7:30 बजे मंदिर जी से पूज्य आर्यिका अर्हंश्री माताजी के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो मुख्य मार्गों से होते हुए गाजे-बाजे के साथ कार्यक्रम स्थल सामुदायिक केंद्र, सेक्टर 11 पहुंचेगी। वहां चित्र अनावरण, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे। बताया गया कि आर्यिका अर्हंश्री माताजी का पूर्व नाम ब्रह्मचारिणी रीना दीदी था। उन्हें चैत्र शुक्ल अष्टमी के पावन अवसर पर शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखर में आर्यिका दीक्षा प्रदान की गई थी। यह दीक्षा शिक्षा सारस्वत कवि डॉ. श्रमणाचार्य श्री विभव सागर जी महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

|| श्री शान्तिनाथाय नमः ||

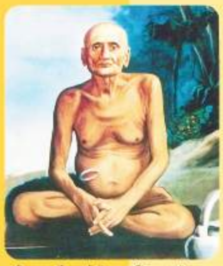
चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 शान्ति सागर जी महाराज

बेगस चलो

मूलनायक १००८ श्री शान्तिनाथ भगवान

बेगस चलो

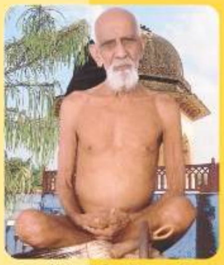
परम पूज्य तपोनिधि मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी महाराज

श्री १००८ शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर

ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)

- आमंत्रण पत्रिका -

आदरणीय धर्मानुरागी बन्धुवर,
सादर जय जिनेन्द्र।

जयपुर नगर के पश्चिमोत्तर भाग में अतिशयकारी देवाधिदेव श्री 1008 शान्तिनाथ भगवान की अति प्राचीन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस में 467 वर्ष से भी अधिक प्राचीन धरोहर है। मन्दिरजी की प्राचीनता से जर्जर युक्त अवस्था देखकर मन्दिरजी का पूर्णतया जीर्णोद्धार कर वास्तुकला के अनुरूप नूतन स्वरूप प्रदान कर गगन चुम्बी शिखर व तीन वेदीयों से युक्त भव्य आकार प्रदान किया गया। जिसकी वेदी प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न करवाया गया। मन्दिरजी का 15वां वार्षिकोत्सव **रविवार-दिनांक 3 मई, 2026** को निम्नांकित कार्यक्रमानुसार विधानाचार्य श्री प्रद्युम्नकुमारजी जैन 'शास्त्री' जयपुर के कुशल निर्देशन में आयोजित है।

अतः आपसे सानुरोध निवेदन है कि सपरिवार एवं इष्ट मित्रों सहित पधारकर सातिशय पुण्यार्जन का अवसर प्राप्त करें।

15वाँ वार्षिकोत्सव

रविवार, दिनांक 3 मई, 2026

पावन आशीर्वाद
पूज्य उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्तसागर जी मुनिराज

वास्तुविद्
जैन गौरव श्री राजकुमार जी कोठ्यारी

क्रियाचार्य -
पं. प्रद्युम्नकुमारजी शास्त्री

- मांगलिक कार्यक्रम -

प्रातः 8.15 बजे- जिनेन्द्र अभिषेक, शान्तिधारा, नित्य नियम, ध्वजारोहण, दीप प्रज्जवलन, शान्ति विधान पूजन, अतिथि सम्मान, कलशाभिषेक, माल के तत्पश्चात् वात्सल्य सहभोज

झण्डारोहणकर्त्ता

श्रीमती सुमनलता जी जैन
श्री प्रदीप जी जैन, श्रीमती ख़ुशबू जी जैन, श्री किशना जी जैन
श्री निहाल जी जैन सौगानी सिनोदियावाले खातीपुरा, जयपुर

दीप प्रज्वनकर्त्ता

श्रेष्ठी श्री नरेश जी नीना जी कासलीवाल
श्री प्रियांक जी प्रियांशी जी कासलीवाल
प्रचार संयोजक त्रिवेणी नगर, जयपुर
राजस्थान प्रान्त, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद्

गौरवमयी अतिथि

श्रेष्ठी श्री जे.के.जैन
(कालाडेरावाले),
नेमी सागर कॉलोनी

सौधर्म इन्द्र

श्रेष्ठी श्री चेतन कुमार जी
श्रीमती रेखा जी छाबड़ा
(बगरु, बेगस वाले),
लाल कोठी, जयपुर

मुख्य अतिथि

श्री गजेन्द्र कुमार जी, प्रवीण जी - प्रिया जी
विकास जी-मेनका जी, अक्षित जी, तनिष्क जी
काशवी जी , लाव्या जी एवं समस्त बड़जात्या परिवार
(कामां वाले), वैशाली नगर, जयपुर

नवनिर्मित पाण्डाल एवं डोम के पुण्यार्जक एवं लोकर्पणकर्त्ता परिवार

श्रेष्ठी श्री अशोक कुमार जी- शकुन्तला देवी
श्री अंकित जी प्रियंका जी , आदिश जी जिनेशा जी जैन
चाँदवाड़ परिवार, कीर्ति नगर

विशिष्ट अतिथि

श्रेष्ठी श्री राजेश जी काला
श्रीमती रेणु जी काला

विशिष्ट अतिथि
श्रेष्ठी श्रीमती मनभरदेवी जी,
भागचन्द जी, राजकुमारी जी,
सौरभ जी,
प्रियंका जी
भव्यांश जी जैन

पूजन सामग्री पुण्यार्जक

स्व. श्री प्रेमचन्द जी एवं श्री धर्मचन्द जी बड़जात्या की पुण्य स्मृति में श्रीमती चन्द्रकान्ता जी,
श्रीमती मंजू जी,
पवन जी, हर्षित जी, दीपाली जी,
प्रिंस बड़जात्या
रेनवाल मॉझी वाले, वसुन्धरा कॉलोनी,
जयपुर

आजीवन संरक्षकगण

1. श्री जयकुमार जी बागड़िया 'कोटावाले' नेमीसागर
2. श्रीमती कमला देवी गंगवाल 'झरियावाले' नेमीसागर
3. श्रीमती कमला देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
4. श्रीमती मुन्ना देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
5. श्रीमती सुशीला देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
6. श्रीमती प्रेमदेवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
7. श्रीमती अनोप देवी छाबड़ा 'बेगसवाले'
8. श्रीमती रेखा छाबड़ा 'बेगसवाले'
9. श्रीमती मन्जू छाबड़ा 'बेगसवाले'
10. श्रीमती स्नेहलता छाबड़ा 'बेगसवाले'
11. श्रीमती अंजू छाबड़ा 'बेगसवाले'
12. श्री रजत छाबड़ा 'बेगसवाले'
13. श्री पदमचन्द बेगस्या, जयपुर
14. श्री मोहनलाल बेगस्या, जयपुर
15. श्रीमती सूरज देवी बेगस्या, जयपुर
16. श्रीमती विजया देवी बेगस्या, जयपुर
17. श्रीमती तारादेवी बेगस्या, जयपुर
18. श्रीमती कान्ता पहाड़िया 'बगरुवाले'
19. श्रीमती नन्दा पहाड़िया 'बगरुवाले'
20. श्रीमती रंजना पहाड़िया 'बगरुवाले'
21. कु. पर्ल पहाड़िया 'बगरुवाले'
22. श्रीमती सरला पाटनी, मुम्बई
23 श्रीमती मन्जू बड़जात्या, नेमीसागर
24. श्रीमती प्रेमलता अनोपड़ा, जयपुर
25. श्रीमती मीनू अनोपड़ा, जयपुर
26. श्री प्रदीप गंगवाल, नेमीसागर
27. श्रीमती अनीता ठोलिया, नेमीसागर
28. श्रीमती नरबल देवी अजमेरा, नेमीसागर
29. श्रीमती तारा देवी पहाड़िया, नेमीसागर
30. श्रीमती सुनीता गंगवाल, नेमीसागर
31. श्री राजकुमार कोठारी, जयपुर
32. श्री देवप्रकाश खण्डाका, जयपुर
33. श्रीमती तारामणि लोंग्या, जयपुर
34. श्री राजेन्द्र कुमार पाण्ड्या 'खोरावाले'
35. श्रीमती नेहा पाण्ड्या 'खोरावाले'
36. श्रीमती प्रेमलता देवी पाण्ड्या 'खोरावाले'
37. श्रीमती शान्ति देवी गंगवाल 'खोरावाले'
38. श्री राजमल गंगवाल 'खोरावाले'
39. श्री अक्षय कुमार मोदी पाण्ड्या 'खोरावाले'
40. श्रीमती कंचन देवी गंगवाल, कुचामनसिटी
41. श्रीमती मेहताब देवी पहाड़िया, चोराजवाले
42. श्रीमती शान्ति देवी बज, महुआवाले
43. श्रीमती सरोज शाह, पावटावाले
44. श्रीमती मन्जू शाह, पावटावाले
45. श्रीमती मुन्नी सेठी, मुकन्दपुरावाले
46. श्रीमती सूरज देवी सेठी, मुकन्दपुरावाले
47. श्रीमती रेणु सेठी, मुकन्दपुरावाले
48. श्रीमती शशि सेठी, मुकन्दपुरावाले
49. श्रीमती मन्जू सेठी, मुकन्दपुरावाले
50. श्रीमती प्रमिला सेठी, मुकन्दपुरावाले
51. श्री जयकुमार पाटनी 'कालाडेरावाले', नेमीसागर
52. श्रीमती किरन देवी बगड़ा, सुजानगढ़वाले
53. श्रीमती इन्द्रा देवी बगड़ा, सुजानगढ़वाले
54. श्रीमती गुलाब देवी सेठी, गोनेरवाले
55. श्रीमती मधु पाटनी, अजमेरवाले
56. श्री विमलकुमार बाकलीवाल, सावरदावाले
57. श्रीमती विदाम देवी चाँदवाड़, कोटखावदावाले
58. श्रीमती आशा जैन, मुंडियारामसरवाले
59. श्रीमती रानी जैन, मुंडियारामसरवाले
60. श्रीमती पन्नी देवी सेठी, बोयासवाले
61. श्रीमती तारादेवी पाटनी, जयपुरवाले
62. श्री अमरचन्द बड़जात्या, सिकन्दावाले
63. श्रीमती चन्द्रकान्ता बड़जात्या, रेनवालमाँजीवाले
64. श्री देवेन्द्र कुमार गंगवाल, किशनगढ़वाले
65. श्री छीतरमल भूरामल 'बरसीवाले', जयपुर
66. श्रीमती शान्ति देवी जैन, अजमेरवाले
67. श्रीमती गुणमाला देवी सबलावत, डीमापुर
68. श्री विनीत कुमार अजमेरा, मानसरोवर, जयपुर
69. श्रीमती कमला देवी शाह, चाकसूवाल
70. श्री बाबूलाल शाह, चाकसूवाले
71. श्रीमती रत्ना शाह, जयपुर
72. श्रीमती मनफूली देवी पाण्ड्या 'भुरटयावाले'
73. श्रीमती मनभर देवी बाकलीवाल 'सिरसवाले'
74. श्रीमती सोहन देवी सौगानी 'सांगानेरवाले'
75. श्रीमती सरोज बाकलीवाल, कोलकाता
76. श्रीमती सरला सेठी, मुम्बई
77. श्री मुकेश कुमार पाटनी, मालपुरा
78. श्री रतनलाल बैनाड़ा 'खटवाड़ावाले'
79. श्रीमती कान्ता देवी बैनाड़ा 'खटवाड़ावाले'
80. श्रीमती उषा पाटनी, गुवाहाटी
81. श्रीमती मन्जू देवी अनोपड़ा 'बीलीवाले'
82. श्रीमती आशा गोधा 'नांवावाले'
83. श्रीमती शिल्पा जैन 'किशनगढ़वाले'
84. श्रीमती अल्का कासलीवाल, सी-स्कीम, जयपुर
85. श्रीमती कंचन देवी लुहाड़िया, झोटवाड़ा जयपुर
86. श्री मोहनलाल छाबड़ा 'चूरुवाले'
87. श्री ताराचन्द बाकलीवाल 'निमेड़वाले'
88. श्रीमती मैना देवी बाकलीवाल 'निमेड़ा वाले'
89. श्रीमती तारा देवी बज 'सलहदीपुरावाले'
90. श्री रमेश कुमार पाटनी 'देवलीवाले'
91. श्रीमती निर्मला ठोलिया 'जोबनेरवाले'
92. श्रीमती सुमन सेठी, सुभाष प्रोजेक्ट, कोलकाता
93. श्रीमती सुमन छाबड़ा 'गुवाहाटीवाले'
94. कु. अनाईना जैन, नई दिल्ली
95. डॉ. सुधीर कुमार जैन, जयपुर
96. श्रीमती सपना बाकलीवाल 'दुर्गवाले'
97. श्रीमती मनीषा बाकलीवाल 'दुर्गवाले'
98. श्रीमती शशि छाबड़ा 'सीकरवाले'
99. श्रीमती विनोद देवी बाकलीवाल 'सामुनवाले'
100. श्रीमती विमला देवी बज, कीर्तिनगर जयपुर
101. श्री राजकुमार सेठी 'सीकरवाले'
102. श्रीमती तारा देवी छाबड़ा, मानसरोवर जयपुर
103. श्री वृजसेन जैन 'ग्वालियरवाले'
104. श्री उम्मेदमल पहाड़िया, मुम्बई
105. श्रीमती गायत्री देवी जैन 'उनीगढ़वाले'
106. श्रीमती निधि बड़जात्या 'लालसोटवाले'
107. श्री चिरंजीलाल बाला, शास्त्रीनगर जयपुर
108. श्री नेमीचन्द गंगवाल, नेमीसागर
109. श्रीमती कान्ता देवी सौगानी, कीर्तिनगर जयपुर
110. श्रीमती पताशी देवी अजमेरा 'नांगलवाले'
111. श्रीमती सविता देवी अजमेरा 'नांगलवाले'
112. श्री भागचन्द कासलीवाल 'कुनरावतावाले'
113. श्री कुलदीप चौधरी 'बगरुवाले'
114. श्रीमती सन्तोष देवी पाटनी 'चीरुवाले'
115. श्रीमती सरोज देवी जैन, वैशालीनगर जयपुर
116. श्री पवन कुमार गोदिका, जयपुर
117. श्री सुधीर कुमार सेठी 'मुकुन्दपुरावाले'
118. श्रीमती मुन्ना देवी बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
119. श्रीमती हीरा देवी झांझरी 'सूरतवाले'
120. श्रीमती सुधा जैन 'टीकमगढ़वाले'
121. पंडित श्री विमल कुमार जैन 'धनेठवाले'
122. श्री बाबूलाल जैन 'सिवाड़वाले'
123. श्री राजेन्द्र कुमार बड़जात्या 'चौमूंवाले'
124. श्री राजेन्द्र कुमार बड़जात्या 'मौजमाबादवाले'
125. श्रीमती मुन्नी बैनाड़ा, मेंहदी का चौक जयपुर
126. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी 'डीमापुरवाले'
127. श्री गणेश कुमार राणा, सी-स्कीम, जयपुर
128. श्री प्रकाशचन्द बाकलीवाल 'निमेड़ावाले'
129. श्री पदमचन्द सेठी 'अजमेरवाले'
130. श्री प्रभुदयाल ठोलिया 'किशनगढ़ रैनवालवाले'
131. श्री देवेन्द्र कुमार बाकलीवाल 'निमोड़ियावाले'
132. श्री ताराचन्द पाटनी 'कालाडेरावाले'
133. श्री अशोक कुमार चाँदवाड़, वसुन्धरा कॉलोनी
134. श्री महेश कुमार सेठी 'मुकुन्दपुरावाले'
135. श्री टीकमचन्द ठोलिया, शान्तिनगर, जयपुर
136. श्री राजेन्द्र लुहाड़िया 'लुहाड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट'
137. श्रीमती सुजाता सेठी, नेमीसागर
138. श्रीमती नमिता ठोलिया, नेमीसागर
139. श्रीमती नीलम गंगवाल, मुम्बई
140. श्री अनिल कुमार छाबड़ा 'हमफातवाले'
141. श्रीमती निकिता छाबड़ा 'बेगसवाले'
142. श्रीमती मन्जू देवी सेठी, नेमीसागर
143. श्रीमती रितिका गंगवाल, नेमीसागर
144. श्री रतनलाल ठोलिया 'डिंगोनियावाले'
145. श्री महावीर कुमार कासलीवाल 'साईवाड़वाले'
146. श्रीमती जानकी देवी गंगवाल 'तुंगावाले'
147. श्री भागचन्द छाबड़ा 'टाकन्डावाले'
148. श्री टीकमचन्द पाटोदी 'नांवावाले'
149. श्रीमती उमराव देवी छाबड़ा, लालकोठी जयपुर
150. श्री अजय कुमार पाटोदी, जयपुर
151. श्री सुरेश कुमार गंगवाल, सुभाष नगर जयपुर
152. श्री मीनू छाबड़ा 'बेगसवाले', जयपुर
153. श्रीमती मन्जू बड़जात्या 'रैनवालमांजीवाले'
154. श्री अमरचन्द काला 'दातावाले', जयपुर
155. श्री अनन्त कुमार बैनाड़ा, अग्रवाल फार्म, जयपुर
156. श्री अशोक कुमार ठोलिया (सांभरवाले जयपुर)
157. श्री सुरेश कुमार सेठी (चिथवाड़ीवाले जयपुर)
158. श्रीमती सरोज देवी पाटोदी (गिरिडीहवाले झारखण्डवाले)
159. श्री पवन कुमार काला (बाँसावाले जयपुर)
160 श्री सुनील कुमार सौगानी (नाँवावाले जयपुर)
161. श्री विद्वान छाबड़ा (बेगसवाले जयपुर)
162. श्री रजत-मानसी छाबड़ा (बेगसवाले जयपुर)
163. श्री प्रेमचन्द जी कोठ्यारी (मधुबन कॉलोनी)
164. स्व. श्री सुनील कुमार जी की पुण्य स्मृति में श्रीमती आशा बड़जात्या, जयपुर
165. श्री मुकेश कुमार जी ठोलिया, जोबनेर वाले, झोटवाड़ा
166. श्री टीकमचन्द जी अजमेरा, सांगानेर
167. श्री विशाल कुमार जी जैन, गोम विहार कॉलोनी
168. श्री राकेश कुमार जी मोदी, नेमीसागर कॉलोनी
169. श्री राजेश कुमार जी काला, जोबनेर बगिया के पास
170. श्री सेठ आलोक आशा जैन, बी-87, साकेत कॉलोनी, जयपुर
171. श्री भागचन्द जी बाकलीवाल साखुनवाले
172. श्रीमती मनोरमा देवी जी छाबड़ा, मधुबन कॉलोनी
173. श्री अशोक कुमार जी झांझरी, नेमीसागर कॉलोनी
174. श्री वरुण कुमार जी चाँदवाड़, सिद्धार्थ नगर
175. श्री महावीर कुमार जी रांवका, सिद्धार्थ नगर
176. श्री दिलीप कुमार जी कासलीवाल, मधुबन
177. श्री प्रशान्त जी अजमेरा
178. श्री गजेन्द्र कुमार जी बड़जात्या, कामांवाले, वैशाली नगर
179. श्री हेमन्त कुमार जी गोधीका
180. श्री प्रज्वल कुमार जी पाटोदी, इन्दौर
181. श्री ज्ञानचन्द जी जैन (सावर वाले), वैशाली नगर
182. श्री निर्मल कुमार जी तेरापंथी, सिद्धार्थ नगर
183. श्री सतीश जी बाकलीवाल, सिद्धार्थ नगर
184. श्री हरकचन्द जी छाबड़ा, मधुबन - टोंक फाटक
185. श्री नरेन्द्र कुमार जी ठोलिया, मधुबन - टोंक फाटक
186. श्री अवनेश जी जैन कासलीवाल, मधुबन - टोंक फाटक
187. श्रीमती मंजू जी जैन, शान्ति नगर
188. श्री नरेश कुमार जी कासलीवाल, त्रिवेणी नगर
189. श्री विनोद जी जैन कोटखावदा
190. श्रीमती राखी जी जैन, मोहनबाड़ी
191. श्रीमती रचना मनीष एवं यश बैद

परम संरक्षकगण-

श्रेष्ठी श्रीमान् अशोक कुमार जी अंकित कुमार जी चाँदवाड़, कीर्तिनगर, जयपुर
श्री प्रकाश चन्द जी शशि जी सेठी (मुकुन्दपुरा वाले)
श्री चेतनकुमारजी रेखाजी जैन छाबड़ा, श्री डॉ. आनन्दकुमार जी-डॉ. मिनी जी, श्री मनन जैन छाबड़ा-बगरु-बेगस वाले, (लालकोठी, जयपुर)
श्री नरेश कुमार जी- श्रीमती कान्ता जी पहाड़िया, बगरुवाले (कोलकाता)
श्री विनोद कुमार जी- श्रीमती नन्दा जी पहाड़िया, बगरुवाले (कोलकाता)
श्री जितेन्द्र कुमार जी- श्रीमती रंजना जी पहाड़िया (नागपुर)
श्री सुरेश कुमार जी- श्रीमती सरिता जी पाटनी (ईसबेसवाले), कोलकाता
श्रीमती कमला देवी जी गंगवाल (धर्मपत्नी स्व. श्री पूनमचन्द जी गंगवाल-झरियावाले)
श्री सुभाषचन्द जी-श्रीमती सुमन जी सेठी (सुभाष प्रोजेक्ट एण्ड मार्केटिंग लि.), कोलकाता
श्री संतोष कुमार जी-प्रेमलता जी अनोपड़ा (निवासी-बीली, प्रवासी-जयपुर)
श्री निर्मल कुमार जी- श्रीमती नीलम जी गंगवाल (निवासी-कुचामनसिटी, प्रवासी-मुम्बई)
श्री माणक चन्द जी- श्रीमती कमला देवी जी छाबड़ा (बेगसवाले), जयपुर
श्रीमती सूरजदेवी जी बेगस्या (धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल जी बेगस्या), शास्त्री नगर
श्री गुलाबचन्द जी राजेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या (खोरावाले)
श्री कल्याणमल जी पूनमचन्द जी ठोलिया(जोबनेर वाले), नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर
श्रीमती किरण देवी जी बगड़ा (धर्मपत्नी स्व. श्री शान्तिलालजी बगड़ा), सुजानगढ़वाले, ज्योति नगर
श्रीमती सुमन जी छाबड़ा (धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र कुमार जी छाबड़ा), गुवाहाटी
श्रीमती अनोपदेवी जी छाबड़ा धर्मपत्नी स्व. श्री भौरीलाल जी छाबड़ा, बेगसवाले, जयपुर
श्री फूलचन्द जी कपूरीलाल जी राकेश जी पाटनी (निवासी-लाडनूं प्रवासी-सूरत)
श्री सुरेश कुमार जी गंगवाल-श्रीमती कान्तादेवी जी गंगवाल, सुभाष नगर, जयपुर
श्रीमती उमा जी धर्मपत्नी श्री महावीर कुमार जी जिनेश जी रांवका, सिद्धार्थ नगर
श्री राकेश कुमार जी शिल्पा जी मोदी, नेमीसागर कॉलोनी
श्री जय कुमार जी जैन, श्रीमती मंजू जी बड़जात्या, नेमीसागर कॉलोनी

भोजन व्यवस्था प्रभारीगण.... सर्वश्री रमेश जी छाबड़ा, अशोक जी छाबड़ा, सुनील जी बेगस्या, प्रमोद जी छाबड़ा कमल जी छाबड़ा, पूरणप्रकाश जी बेगस्या, हर्षित जी बड़जात्या, अनिल जी जैन, जोबनेर वाले, हितेश जी पाटनी, चीरुवाले

आयोजक - प्रबन्धकारिणी समिति श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)

विनीत - सकल दिगम्बर जैन समाज, ग्राम बेगस, जिला-जयपुर (राज.)

मुख्य समन्वयक

पूनम चन्द ठोलिया
अध्यक्ष
98290-81559

जयकुमार जैन बड़जात्या
94143-23692

सुरेश छाबड़ा
मंत्री
93149-32520

एवं समस्त पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यगण

पत्रिका पुण्यार्जक परिवार..................

जैन मूर्तियों के लिए विश्वसनीय स्थान
Murli Moorti Kala Kendra
Shop: Khajane Walon Ka Rasta, 2nd Crossing, Chandpole Bazar, Jaipur-302001
Office/Resi: 1376, Gayatri Bhawan, 3rd Cross, Khejro Ka Rasta, Chandpole Bazar, Jaipur
Contact: 98291-48913 | 98295-38058 | 98285-47714 98291-48913 | 98285-47714 Email: murlimoorti@gmail.com

पीसी प्लेनेट, जबलपुर की बिजनेस प्लानिंग मीटिंग सम्पन्न, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी सम्मानित

जबलपुर. शाबाश इंडिया

मध्यभारत के विश्वसनीय एवं अग्रणी टैली पार्टनर पीसी प्लेनेट, जबलपुर द्वारा हाल ही में होटल कृष्णा में एक भव्य बिजनेस प्लानिंग मीटिंग का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण आयोजन में कंपनी के पिछले वित्तीय वर्ष के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी वर्ष के लिए रणनीतिक योजनाओं पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यक्रम में टीम के उत्कृष्ट योगदान को विशेष रूप से सराहा गया और कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने के उद्देश्य से सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। पिछले वित्तीय वर्ष में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टीम सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जनरल मैनेजर अमित कदम, बिजनेस एग्जीक्यूटिव अर्पित सिंह तथा रिलेशनशिप

मैनेजर पलक चौरसिया शामिल रहे। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते हुए कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर टैली सॉल्यूशंस, बेंगलुरु से बिजनेस मैनेजर चारु चव्हाण एवं बिजनेस कोच गुलरेज खान विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए टीम को व्यवसायिक विकास, ग्राहक संतुष्टि और तकनीकी उन्नयन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन ने उपस्थित सभी सदस्यों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान पीसी प्लेनेट के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन जैन ने चारु चव्हाण को उनके अतुलनीय सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में टीम वर्क, नवाचार और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण को कंपनी की सफलता का मूल आधार बताया। यह आयोजन न केवल टीम के बीच आपसी सहयोग को सुदृढ़ करने में सफल रहा, बल्कि आने वाले समय में कंपनी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के संकल्प को भी मजबूत किया। पीसी प्लेनेट, जबलपुर भविष्य में भी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करते हुए क्षेत्र में अपनी अग्रणी पहचान बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाषाण से निर्मित हो रहे विशाल जिनालय में तिलक दान के साथ प्रभु विराजित हुए

जीवन-यापन के संसाधनों में उलझकर व्यक्ति अपने स्वरूप को भूल जाता है: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

मुंगावली. शाबाश इंडिया। पाषाण से निर्मित हो रहे भव्य जिनालय में भगवान श्री शांतिनाथ की प्रतिमा के तिलक दान के साथ प्रतिष्ठा कार्य का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि गृहस्थ जीवन में व्यक्ति जीवन-यापन के संसाधनों को जुटाने में इतना व्यस्त हो जाता है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप और जगत के सत्य को भूल जाता है। यहां तक कि उसे अपने दुःख का भी बोध नहीं रहता। उन्होंने कहा कि जब सौभाग्य से सद्गुरु का सान्निध्य प्राप्त होता है, तब व्यक्ति को यह समझ आता है कि वह किस प्रकार संसारिक उलझनों में फंसा हुआ है। इस दुर्लभ मनुष्य जन्म में हमें अपनी भूलों को सुधारने का अवसर मिला है, जिसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि जगत की भलाई के लिए जो भी संभव हो, निरंतर करते रहना चाहिए।

अशोक नगर जैन समाज ने किया श्रीफल भेंट

अशोक नगर जैन समाज पंचायत समिति के अध्यक्ष राकेश कासल, उपाध्यक्ष अजीत वरोदिया, महामंत्री प्रदीप तरई, मंत्री शैलेन्द्र श्रागर, विजय धुर्रा, संजीव भारिल्य, मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार, ऑडिटर संजय केटी, संयोजक उमेश सिंघई, मनीष सिंघई सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुनि संघ को श्रीफल भेंट कर शांति नगर गांव मंदिर के वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु आग्रह किया। समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि हम सभी परम पूज्य गुरुदेव के समक्ष निवेदन लेकर आए हैं और उनके चरण पड़ते ही सभी कार्य सफल होंगे। अशोक नगर जिले से आईएएस बनी चितवन जैन ने श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति के साथ पहुंचकर परिवार सहित मुनि श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा का भाव उनके मन में गुरुदेव के आशीर्वाद से प्रबल हुआ है और वे इस सेवा को और अधिक प्रभावी बनाना चाहती हैं। इस पर मुनि श्री ने कहा कि सबसे पहले राष्ट्र है। राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, तभी हम धर्म और संस्कृति की रक्षा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय धर्म साधना के लिए अत्यंत अनुकूल है और इसका सदुपयोग करना चाहिए।

बेजुबान पक्षियों को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए लगाए गए परिंडे

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन जीव दया समिति की ओर से महल योजना बी-ब्लॉक के पार्क में बेजुबान पक्षियों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु परिंडे लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य पक्षियों को जल उपलब्ध कराकर उनके जीवन की रक्षा करना है। समिति की अध्यक्षा मैना गंगवाल ने बताया कि सदस्यों ने परिंडों में प्रतिदिन पानी भरने, उनकी साफ-सफाई करने तथा उनके नियमित रख-रखाव की जिम्मेदारी भी ली है, ताकि पक्षियों को लगातार सुविधा मिलती रहे। कार्यक्रम में मुकेश सांघी, अंकिता, वैभव, स्वाति, डॉ. ऋतु, नवीन जैन, नीतू, प्रवीण जैन, श्वेता, प्रियंका, पायल पिकल, नेहा जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समन्वयक अभिषेक सांघी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अंकित मित्रपुरा एवं तोषी जैन ने किया।

ठोलियान मंदिर में श्रीजी नवीन वेदी में विराजमान, शिखर पर कलश एवं ध्वजा स्थापना

आचार्य सुंदर सागर महाराज आज भूगर्भ से निकालेंगे अतिशयकारी प्राचीन जिनबिंब, पांच दिवसीय महामस्तकाभिषेक महोत्सव में उमड़ेंगे श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, ठोलियान में आचार्य सुंदर सागर महाराज, आचार्य शशांक सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका नंदीश्वर मति माताजी ससंघ के सानिध्य में आयोजित वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत बुधवार को जयकारों के बीच जिनबिंबों को नवीन वेदी में विराजमान किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गुरुवार, 23 अप्रैल को आचार्य संघ के सानिध्य में भूगर्भ स्थित जिनबिंबों को चैत्यालय से निकालकर मंदिर में दर्शनार्थ विराजमान किया जाएगा। इसके साथ ही पांच दिवसीय अतिशय युक्त जिनबिंबों के दर्शन एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव का शुभारंभ होगा। अध्यक्ष अशोक चांदवाड़ एवं महामंत्री राजीव ठोलिया ने बताया कि वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव एवं शिखर पर कलश स्थापना समारोह के अंतर्गत बुधवार को प्रतिष्ठाचार्य पं. सनत कुमार जैन के निर्देशन में प्रातः अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात सौधर्म इंद्र नवीन-सपना बिल्टीवाला के नेतृत्व में पूजा एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। मंत्रोच्चार के साथ पूर्णाहुति दी गई। मुख्य संयोजक प्रदीप ठोलिया ने बताया कि मालपुरा परिवार द्वारा नवीन वेदी में जिनबिंबों को विराजमान किया गया। इसके पश्चात मंदिर के शिखरों पर मंत्रोच्चार के साथ कलश एवं ध्वजा स्थापना की गई। मूलनायक शांतिनाथ भगवान के शिखर पर कमल किशोर पहाड़िया एवं महिपा बाकलीवाल ने कलश

स्थापना की, जबकि विमला देवी, नरेंद्र एवं मीनू सोगानी ने ध्वजा स्थापना का पुण्य लाभ प्राप्त किया। धर्मसभा में मंगलाचरण के बाद समाज श्रेष्ठि हेमचंद-नीलू जैन द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। नवीन-सपना, अमन-आयुषी जैन बिल्टीवाला तथा मालपुरा परिवार द्वारा आचार्य सुंदर सागर एवं आचार्य शशांक सागर महाराज का पाद प्रक्षालन किया गया। जिनवाणी भेंट के पश्चात चित्रकूट, सांगानेर, चौमूं, मानसरोवर आदि स्थानों से आए श्रद्धालुओं ने पूर्वाचार्यों के चरणों में अर्घ्य अर्पित किए। आचार्य सुंदर सागर महाराज ने अपने प्रवचन में बताया कि तलघर में विराजमान जिनबिंबों के दर्शन एवं पूजा देवों द्वारा भी की जाती है। उन्होंने कहा कि बाहुबली में 12 वर्ष बाद महामस्तकाभिषेक होता है, जबकि यहां तीन वर्ष बाद ही श्रद्धालुओं को यह दुर्लभ अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि भूगर्भ में 127 जिन प्रतिमाएं विराजमान हैं, जिन्हें 3 वर्ष 3 माह के अंतराल के बाद बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ''दान से पुण्य की प्राप्ति होती है, अन्यथा संचित धन निष्प्रयोज्य हो जाता है।'' साथ ही उन्होंने बताया कि पंच परमेष्ठी के सानिध्य में भूगर्भ से जिनबिंबों को निकलते देखना अत्यंत सौभाग्य की बात है। सायंकाल महाआरती, आगम आधारित शंका समाधान एवं भक्ति संध्या का आयोजन भी किया गया, जिसमें भजनों की मनोहारी प्रस्तुतियां दी गईं।

23 अप्रैल से महामस्तकाभिषेक महोत्सव

राजस्थान जैन सभा, जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि 23 अप्रैल को प्रातः 8:00 बजे भूगर्भ से निकाले गए जिनबिंबों का महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा होगी, जिसके पश्चात धर्मसभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, जिनवाणी भेंट एवं प्रवचन होंगे। सायंकाल 7:00 बजे महाआरती, शंका समाधान एवं भक्ति संध्या आयोजित की जाएगी। यह अतिशय युक्त जिनबिंबों के दर्शन एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव 27 अप्रैल तक चलेगा। इस अवसर पर विजय प्रकाश ठोलिया, अरुण ठोलिया, कुशल ठोलिया, अनिल ठोलिया, राजीव ठोलिया, प्रकाश ठोलिया, सुरेश ठोलिया, प्रदीप ठोलिया, योगेश टोडरका, सौभाग्यमल जैन, मीनू सोगानी, आशीष पाटनी सहित अनेक गणमान्यजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

– विनोद जैन कोटखावदा